"प्ररूप 26"
(नियम 4क देखिए)

भारत INDIA सत्यमेव जयते बिहार BIHAR

2104 309236

Book No ... 02 Serial No ... 09
15/04/14

NOTARY MOHAN PRASAD KESHRI A-MUZAFFARPUR WEST Regd. No.-A/A, E-6/90 GOVT OF BIHAR

....

निर्वाचन क्षेत्र से (निर्वाचन क्षेत्र का नाम) मुजफ्फरपुर-15 (सदन का नाम) के लिए निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथपत्र

भाग–क

मैं नवल किशोर झा **पुत्र/पुत्री/पत्नी कृष्ण कान्त झा आयु 36 वर्ष, जो ग्राम- रामपुर पो० दुहली प्रखण्ड- सकरा जि- मुजफ्फरपुर (डाक का पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूं, और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूं, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूं/करती हूं, शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूं/करती हूं:–

(1) मैं समाजवादी जनता पार्टी राष्ट्रीय (**राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी/**एक स्वतंत्र अभ्यार्थी के रुप में लड़ रहा है।

(**जो लागू न हो उसे काट दे)

(2) मेरा नाम मुजफ्फरपुर-15 अ०जा०-92 सकरा (निर्वाचन क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग सं 186 के क्रम सं 830 पर प्रविष्ट है।

(3) मेरा संपर्क टेलीफोन नं. 9801046025 है/हैं और मेरा ई–मेल आईडी (यदि कोई हो तो) .... है।

(4) स्थाई लेखा संख्याक (पैन) के ब्यौरे और आय–कर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति :

NOTARY MOHAN PRASAD KESHRI A-MUZAFFARPUR WEST Regd. No.-A/A, E-6/90 GOVT OF BIHAR 15/04/14

नवल किशोर झा
15/04/2014

क्रम सं.	नाम	पैन	वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है।	आयकर विवरणी में उपदर्शित कुल आय (रुपए में)
1.	स्वयं	शून्य	शून्य	शून्य
2.	पति या पत्नी	शून्य	शून्य	शून्य
3.	आश्रित–1	शून्य	शून्य	शून्य
4.	आश्रित–2	शून्य	शून्य	शून्य
5.	आश्रित–3	शून्य	शून्य	शून्य

(5) मैं ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त नहीं हूं जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं।

यदि अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का /की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगी :–

(i) निम्नालिखत मामला (मामले) मेरे विरुद्ध लंबित है जिसमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/ किए गए हैं।

(क)	मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याओं सहित संबंधित पुलिस थाना/जिला/राज्य के पूर्ण ब्यौरे	नहीं।
(ख)	संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए आरोपित किया गया है	नहीं।
(ग)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	नहीं।
(घ)	न्यायालय, जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई	नहीं।
(ड.)	तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किए गए थे	नहीं।
(च)	क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है/हैं	नहीं।

NOTARY
MOHAN PRASAD KESHRI
...PUR WEST
Regd. No. A/A, F 6/90
GOVT. OF BIHAR

नवल किशोर झा

(ii) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरूद्ध लंबित है/हैं जिनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया है {पूर्वोक्त

मदद (i) में वर्णित मामलों से भिन्न}:–

(क)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	नहीं
(ख)	उन मामलों के ब्योरे जहां न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए संज्ञान लिया गया है	नहीं
(ग)	पूर्वोक्त आदेश (आदशों) के विरूद्ध पुनरीक्षण के लिए फाइल की गई अपील (अपीलों)/आवेदन (आवेदनों) (यदि कोई हों) के ब्यौरे	नहीं

(6) मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43)की धारा 8 की उपधारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अंतर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न, के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है/नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए कारावास का दंडादेश दिया गया है/नहीं दिया गया है :

नहीं

यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा:

निम्नलिखित मामलों में मुझे सिद्धदोष ठहराया गया है और न्यायालय द्वारा कारावास का दंडादेश दिया गया है

(क)	उन मामलों के ब्यौरे, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए सिद्धदोष ठहराया गया है	नहीं
(ख)	न्यायालय (न्यायालयों) का नाम, मामला संख्या और आदेश (आदेशों) की तारीख (तारीखें)	नहीं
(ग)	अधिरोपित दंड	नहीं
(घ)	क्या सिद्धदोष ठहराने के आदेश के विरूद्ध कोई अपील फाइल की गई थी/है। यदि हां, तो अपील के ब्यौरे और वर्तमान प्रास्थिति	नहीं

NOTARY MOHAN PRASAD KESHRI A.I. MUZAFFARPUR WEST Regd. No.-A/A, P GOVT OF BIHAR 15/10/14

नवल किशोर भगत

(7) मैं मेरे, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूँ

अ. जंगम आस्तियों के ब्यौरे :

टिप्पण 1 – संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 – जमा/विनिधान की दशा में क्रम सं., रकम, जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने है।

टिप्पण 3 – सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों मे चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 4 – यहां आश्रित का वही अर्थ है जो उसका लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 75क के अधीन स्पष्टीकरण (5) में है।

टिप्पण 5 – रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथकतया दिए जाने हैं।

क्रम सं	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित – 1	आश्रित – 2	आश्रित – 3
(i)	हाथ में नकदी	28000	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
(ii)	बैंक खातों में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी है), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम	3000	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
(iii)	कंपनियों/ पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/शेयरों तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यौरे और रकम	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं

NOTARY
MOHAN PRASAD KESHRI
15/04/15
GOVT. OF BIHAR

नवल किशोर झा

(iv)	राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत, बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्ही वित्तीय लिखतों में विनिधान और रकम	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
(v)	किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी, न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
(vi)	मोटरयान/वायुयान/याट/पोत (मेक ,रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष और रकम)	मोटर साइकल	हिरो होण्डा PB23 2103	नहीं	नहीं	नहीं
(vii)	जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुएं) (भार और मूल्य के ब्यौरे)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
(viii)	कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों/हित का मूल्य	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
(ix)	समग्र कुल मूल्य	500000.				

आ. स्थावर आस्तियों के ब्यौरे

टिप्पण 1– संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2– प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेंट का इस प्रारूप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

क्रम सं0	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	कृषि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ)	20 कट्ठा	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं.
	क्षेत्र (एकड़ में कुल माप)	एक एकड़	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	हाँ	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	पैतृक	[illegible]	शून्य	शून्य	शू.
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई	नहीं	शून्य	शून्य	शून्य	शू.

NOTARY
PRASAD KESHRI
...RPUR WEST
15-5-15

नवल किशोर झा

	विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	गैर कृषि भूमि : अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)				
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
	विकास संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iii)	वणिज्यिक भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
	स्वअर्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से संपत्ति पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
(IV)	आवासीय भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याएं)	आवासीय भवन	आवासीय भवन	आवासीय भवन	आवासीय भवन
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपति है (हां या नहीं)	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
	स्वअर्जित संपत्ति की दशा में	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं

NOTARY
MOHAN PRASAD KESRI
15/04/14
MUZAFFARPUR WEST
Regd. No.-A/A. 5-6/00
GOVT. OF BIHAR

नवल किशोर आ

	क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिमार्ण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(V)	अन्य (जैसे कि संपत्ति में हित)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(VI)	पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल चालू बाजार मूल्य	8 लाख का अनुमानित मूल्य	8 लाख	8 लाख	8 लाख

(8) मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों/को शोध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूँ :–

(टिप्पण : कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यष्टिक के नाम और उनमें प्रत्येक के समक्ष रकम के ब्यौरों का पृथक विवरण दें)

क्र० सं०	विवरण	स्वंय	पति या पत्नी	आश्रित –1	आश्रित –2	आश्रित –3
(i)	बैंक/वित्तीय संस्था (संस्थाओं को ऋण या शोध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति	K.C.C 50000	नहीं	हाँ	हाँ	हाँ
	पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यष्टिकों, निकाय को ऋण या शोध्य नाम, बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति	K.CC 50000	नहीं	नहीं	नहीं	
	कोई अन्य दायित्व	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
	दायित्यवों का कुल योग	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
(II)	सरकारी शोध्य : सरकारी आवास से बरतने वाले विभागों को शोध्य	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	
	जल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	
	विद्युत आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	
	टेलीफोन/मोबाईल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	
	सरकारी परिवहन (वायुयान और हेलिकाप्टर सहित) से बरतने वाले विभाग को शोध्य	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	
	आय–कर शोध्य	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	

NOTARY
MOHAN PRASAD KESHRI
15/04/14
RPUR WEST
GOVT. OF BIHAR

नवल किशोर भगत

	धनकर शोध्य	नही	नही	नही	नही
	सेवाकर शोध्य	नही	नही	नही	नही
	नगरपालिका/संपति कर शोध्य	नही	नही	नही	नही
	विक्रयकर शोध्य	नही	नही	नही	नही
	कोई अन्य शोध्य	नही	नही	नही	नही
(iii)	सभी सरकारी शोध्यों का कुल योग	नही	नही	नही	नही
(iv)	क्या कोई अन्य दायित्व विवादाधीन है, यदि हां तो अंतर्वलित रकम और उस प्राधिकारी जिसके समक्ष यह लंबित है का वर्णन करें।	नही	नही	नही	नही

(9) वृति या उपजीविका के ब्यौरे :

(क) स्वयं....खेती....

(ख) पति या पत्नी....स्वयं....

(10) मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिये अनुसार है :–

(i) 10+2 बा०म० संस्कृत 1993 दिल्ली बोर्ड

(ii) बी०ए० आनर्स संस्कृत दिल्ली विश्वविद्यालय 1996

(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रय के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठ्यक्रय पूरा किया गया था, का ब्यौरा दें)

NOTARY PRASAD KESHRI ... PUR WEST ... GOVT. OF BIHAR 15.04.15

नवल किशोर झा

भाग–ख

(11) भाग–क के (1) से (10) तक में दिए गये ब्यौरे का उद्धहरण

1	अभ्यर्थी का नाम	श्री / ~~श्रीमती / कु०~~ नवल किशोर भां
2	डाक का पता	ग्राम - रामपुर पो. दुबहा थाना - सकरा जि.- मु.
3	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य	मुजफ्फरपुर - 15
4	उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा स्वंतत्र लिखे)	समाजवादी जनता पार्टी
5	(i) ऐसे लंबित मामलों की कुल संख्या जिनमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय अपराधों के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किए गए हैं।	नहीं
	(ii) ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें न्यायालय (न्यायालयों) ने संज्ञान लिया है (उपर मद (i) उल्लिखित मामलों से भिन्न)	नहीं
6	ऐसे कुल मामलों की संख्या जिनमें सिद्धदोष ठहराया गया एक वर्ष या उसग्ने अधिक के लिए कारावास से और दंडित किया गया है। (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियमत्र 1951 की धारा 8 की उपधारा (1), उपधारा (2) या उपधारा (3) में निर्दिष्ट अपराधों के सिवाए)	नहीं

7		.... का स्थायी लेखा सं०	वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है	कुल दर्शित आय
	(क) अभ्यर्थी	नहीं	नहीं	शून्य
	(ख) पति या पत्नी	नहीं	नहीं	शून्य
	(ग) आश्रित	नहीं	नहीं	शून्य.

8	आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे (रूपये में)					
	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
क	जंगम आस्तियां (कुल मूल्य)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
ख	स्थावर आस्तियां	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY MOHAN PRASAD KESHRI MUZAFFARPUR Regd. No.-A/A, GOVT OF BIHAR

नवल किशोर भां

	I.	स्वअर्जित स्थावर संपति की क्रय कीमत	नही	नही	नही	नही	नही
	II.	क्रय के पश्चात् स्थावर संपति की विकास/संनिर्माण लागत (यदि लागू हो)	नही	नही	नहीं	नहीं	नही।
	III.	निम्नलिखित की अनुमानित वर्तमान बाजार कीमत	नही	नही	नही	नही	नही।
		(क) स्वर्जित आस्तियां (कुल मूल्य) (ख) विरासती आस्तियां (कुल मूल्य)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
9		दायित्व	नही	नही	नही	नही	नही
	(i)	सरकारी शोध्य (कुल)	नही	नही	नही	नही	नही।
	(ii)	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	K.C.C 50000	50000 K.C.C	50000 K.C.C	50000 K.C.C	50000 K.C.C
10		ऐसे दायित्व जो विवादाधीन है नही					
	(i)	सरकारी शोध्य (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(ii)	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	K.C.C 50000	50000 K.C.C	50000 K.C.C	50000 K.C.C	50000 K.C.C
11		उच्चतम शैक्षिक अर्हता : (i) 10+2 ([illegible]) 1994 (ii) बी०ए० आनर्स मिथिला विश्वविद्यालय। 1996 (प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा, विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरे दें।)					

NOTARY
MOHAN PRASAD KESHRI
15/04/15

नवल किशोर झा

सत्यापन

मैं, उपर उल्लिखित अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूँ कि इस शपथपत्र की विषय–वस्तु मेरी सर्वोतम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषणा करता हूँ कि :–

(क) मेरे विरूद्ध उपर भाग क और ख की मद 5 और 6 मे उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामलें से भिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है;

(ख) मेरी पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास उपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से भिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं है।

आज तारीख 15/04/14 को सत्यापित किया गया।

Identified by me R.K. Shaw 15/4/14 En. No.- 4745/95

नवल किशोर

अभिसाक्षी

टिप्पण 1. शपथपत्र नामांकन फाइल करने के अंतिम दिन को 3:00 बजे अपराह्न तक फाइल किया जाना चाहिए।

टिप्पण 2. शपथपत्र पर किसी शपथ कमिश्नर या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।

टिप्पण 3. सभी स्तंभों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तंभ खाली न छोड़े, यदि किसी मद के संबंध में देने के लिए कोई जानकारी नहीं है तो, यथास्थित "शून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।

टिप्पण 4. शपथपत्र टंकित या सुपाठ्यरूप से साफ–साफ लिखित होना चाहिए।

टिप्पण – 5 माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 13.09.2013 को WP(C) संख्या 121–2008 में रिसर्जेंस इंडिया बनाम भारत निर्वाचन आयोग एवं अन्य, के मामाले में अभ्यर्थियों द्वारा अपूर्ण शपथ–पत्र दाखिल किये जाने के संबंध में दिए गये न्याय निर्णय के आलोक में अभ्यर्थी द्वारा शपथ पत्र के सभी स्तंभों को भरा जाना है। कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जा सकता है। शपथ पत्र प्रस्तुत किये जाते समय निर्वाची पदाधिकारी द्वारा यह जाँच कर लिया जाना है कि नाम निर्देशन पत्र के साथ दाखिल किये गये शपथ पत्र के सभी स्तंभ भर लिए गये हैं, अगर ऐसा नहीं किया गया है तो निर्वाची पदाधिकारी, अभ्यर्थी को खाली स्तंभों के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने हेतु स्मार देंगे। माननीय न्यायालय का न्याय निर्णय है कि अगर किसी मद में उपलब्ध कराये जाने हेतु कोई जानकारी नहीं है तो 'शून्य' या 'लागू नहीं' या 'ज्ञात नहीं' जो उपयुक्त हो, ऐसे स्तंभ में दर्ज किये जायेंगे। उनके द्वारा कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जाना है। यदि अभ्यर्थी स्मार दिये जाने के बाद भी स्तंभ को भरे जाने में असफल होता है तो नाम निर्देशन पत्र की संवीक्षा के समय नाम निर्देशन पत्र निर्वाची पदाधिकारी द्वारा अस्वीकृत कर दिये जायेंगे।

टिप्पण–6 शपथ पत्र के पारा 3 में जानकारी निम्नलिखित रूप में उपलब्ध करायी जायेगी।

"मेरा दूरभाष सम्पर्क संख्या/संख्यायें है/हैं 9801046025

मेरा ई–मेल आई०डी० (अगर कोई हो) है NO

एवं मेरा सोशल मीडिया एकांउट्स (अगर कोई हो) है NO

NOTARY
PRASAD KESHAV ... MUZAFFARPUR ... Regd. No.-A/A, ... OF BIHAR
15/04/14

The Deponent solemnly affirm and declare before me who has have identified by Advocate Rabindra Kr. Singh